Press Release on Launch of eUdyan Portal

शिमला 14 मई, 2020

मुख्यमंत्री द्वारा बागवानी विकास विभाग के ई-उद्यान पोर्टल का शुभारम्भ

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज यहां विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित हिमाचल प्रदेश बागवानी विकास परियोजना के तहत ई-उद्यान पोर्टल तथा इसी पोर्टल का मोबाइल एप्लीकेशन का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से उद्यान विभाग की विभिन्न सेवाओं के लिए मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल में बागवानी संबंधित सभी योजनाओं की जानकारी किसानों तथा अन्य हितधारकों को आसानी से उपलब्ध होगी।

जय राम ठाकुर ने कहा कि बागवानी विकास परियोजना के तहत इस व्यवस्था से लाभार्थियों को फलों की नर्सरी का रजिस्ट्रेशन, पौधों की मांग, बागवानी से संबंधित औजार इत्यादि की मांग, कीटनाशकों की खरीद, खुम्ब के लिए कम्पोस्ट की मांग, मधुमक्खी छत्तों की मांग, सब्सिडी इत्यादि बागवानी क्षेत्र की सेवाओं के लिए आॅनलाइन आवेदन करने की सुविधा प्रदान की गई है।

उन्होंने कहा कि यह पोर्टल उद्यान विभाग के अधिकारियों के लिए भी आॅनलाइन प्रोसेसिंग की सुविधा प्रदान करेगा जिससे बागवानों को समय पर सेवाएं प्रदान करने में सुविधा होगी। यह सेवा हिमाचल प्रदेश पब्लिक सर्विस गारंटी एक्ट के तहत सिटीजन चार्टर के तहत कार्य करने में भी मद्दगार सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल विभाग की सभी सुविधाओं के लिए सिंगल विंडो का कार्य करेगा जिससे किसान सभी सुविधाओं का लाभ घर बैठे ही उठा सकेंगे।

जय राम ठाकुर ने बागवानों से आग्रह किया कि वे इस पोर्टल का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने उद्यान विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे बागवानों द्वारा वांछित जानकारी को इस पोर्टल के माध्यम से तुरन्त प्रदान करें, जिससे विभाग के कार्यालयों में

लोगों की आवाजाही कम हो सकेगी और यह पोर्टल कोविड-19 महामारी के समय जारी दिशा निदेर्शों के तहत सामाजिक दूरी बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के मुख्यमंत्रियों के साथ आयोजित वीडियो काॅफें्रसिंग में भी दिल्ली की आजादपुर मंडी में कोरोना के अधिक मामले सामने आने के कारण इस मंडी के बार बार बंद होने से उत्पन्न स्थिति से बचने के लिए प्रदेश के बागवानों को उनके उत्पादों को बेचने के लिए वैकल्पिक मंडी स्थापित करने का आग्रह किया है ताकि प्रदेश के बागवानों को अपने उत्पाद बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बागवानी मंत्री महेन्द्र सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश बागवानी विकास परियोजना की विशेषताओं से मुख्यमंत्री का अवगत कराया।

इस अवसर पर मुख्य सचेतक नरेन्द्र बरागटा, मुख्य सचिव अनिल खाची, अतिरिक्त मुख्य सचिव आर.डी. धीमान, सचिव बागवानी अमिताभ अवस्थी, परियोजना निदेशक देबाश्वेता बनिक, निदेशक बागवानी एम.एम. शर्मा भी उपस्थित थे।

आईएचएसएमएस के बारे में

हिमाचल प्रदेश राज्य ने विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित हिमाचल प्रदेश बागवानी विकास परियोजना (एचपीएचडीपी) के तहत एकीकृत बागवानी क्षेत्र प्रबंधन प्रणाली (आईएचएसएमएस) का कार्यान्वयन का प्रावधान किया है|

इस परियोजना के तहत उद्यान विभाग के लाभार्थियों या हितधारकों को सभी बागवानी क्षेत्र की सेवाओं की ऑनलाइन आवेदन की सुविधा प्रदान की गई है| जैसे की फलों की नर्सरी का रजिस्ट्रेशन, प्लांट की डिमांड, बागवानी से सम्बंधित टूल्स और इम्प्लेमेंट्स की डिमांड, कीटनासक की खरीद, खुम्ब के लिए कम्पोस्ट की डिमांड, बी हीव्स की डिमांड, सब्सिडी के लिए आवेदन इत्यादी|

आईएचएसएमएस सभी बागवानी विशेषज्ञों, नर्सरी लाइसेंस धारकों, और अन्य हितधारकों के लिए सभी बागवानी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए एकल खिड़की है। यह किसानों को विभिन्न रोग उपचार, स्प्रे के लिए ऑनलाइन सूचना भी प्रदान करता है।

आवेदन कैसे करें

स्टेप एक -

- इ-उद्यान पोर्टल पे लॉग इन करें

स्टेप दो -

- सर्विस चुनें

स्टेप तीन-

- फॉर्म में पूछे गए विवरण को सही सही दर्ज करें | सभी दस्तावेज़ अपलोड करें

आवेदन कैसे करें

स्टेप चार -

- विभाग की तरफ से ऑनलाइन फीस की डिमांड आने पर आवश्यक फीस का ऑनलाइन भुगतान करें|

स्टेप पांच -

- आवेदन स्वीकृत होने के बाद, सर्टिफिकेट/अप्रूवल लेटर डाउनलोड करें| यदि आपने किसी सब्सिडी के लिए आवेदन किया है तो टेक्निकल अप्रूवल के बाद जब आप बिल सबमिट करने के बाद सम्बंधित अधिकारी के निरिक्षण के बाद सब्सिडी आपके खाते में सीधे DBT के माध्यम से जमा कर डी जाएगी|